|  |  |
| --- | --- |
| Name: \_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_ | Date: \_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_ |

The Study of Salvation

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 1  R |  |  |  |  |  |  | 2  F |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 3  S |  |  |  |  | E |  |  |  |  |  |  | O |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 4  F | A | I | T | H |  | 5  G | R | A | C | E |  |  | R |  |
|  |  |  |  |  |  | 6  S |  |  |  |  |  |  |  |  |  | N |  |  |  |  | I |  |  |  |  |  |  | G |  |
|  |  |  |  |  |  | O |  |  | 7  G | L | O | R | I | F | I | C | A | T | I | O | N |  |  | 8  P |  |  |  | I |  |
|  |  |  |  |  |  | T |  |  |  |  |  |  |  |  |  | T |  |  |  |  | E |  |  | R |  |  |  | V |  |
|  |  |  |  |  |  | I |  |  |  |  | 9  A |  | 10  G |  |  | I |  |  | 11  C |  | R |  |  | O |  |  |  | E |  |
|  |  |  |  |  | 12  R | E | D | E | M | P | T | I | O | N |  | F |  |  | O |  | 13  A | D | O | P | T | I | O | N |  |
|  |  |  |  |  |  | R |  |  |  |  | O |  | S |  |  | I |  |  | N |  | T |  |  | I |  |  |  | E |  |
|  |  |  |  |  |  | O |  |  |  |  | N |  | P |  |  | C |  |  | V |  | I |  |  | T |  |  |  | S |  |
|  |  |  |  | 14  H | O | L | Y |  |  | 15  R | E | P | E | N | T | A | N | C | E |  | O |  |  | I |  |  |  | S |  |
|  |  |  |  |  |  | O |  |  |  |  | M |  | L |  |  | T |  |  | R |  | N |  |  | A |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  | G |  |  |  |  | E |  |  |  |  | I |  |  | S |  |  |  |  | T |  |  |  |  |  |
|  |  | 16  M | E | R | C | Y |  |  |  |  | N |  | 17  R | E | C | O | N | C | I | L | 18  I | A | T | I | O | N |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | T |  |  |  |  | N |  |  | O |  | M |  |  | O |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | N |  | P |  |  | N |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | U |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 19  J | U | S | T | I | F | I | C | A | T | I | O | N |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | A |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | T |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | I |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | O |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | N |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |
| --- | --- |
| **Across**  **4.** To trust; to believe. Ephesians 2:8-9  **5.** Unmerited favor; not earned. John 1:14  **7.** The final stage of transformation from a sinner to a resurrected saint. John 14  **12.** The payment of sin by the sacrifice of Christ; bought back. Ephesians 1:7-8  **13.** Condition of sonship given to one not naturally born. Ephesians 1:5  **14.** Set apart for God's service and glory. Hebrews 12:14  **15.** To turn; to change one's mind and action. Acts 2:38  **16.** Not receiving the deserved punishment of God. 2 Timothy 1:16  **17.** The removal of the barrier of sin to restore a right relationship. 2 Corinthians 5:14-21  **19.** To declare righteous. Romans 4:25 | **Down**  **1.** Working of the Holy Spirit to give life and nature to the sinner; from death to life. Titus 3:5  **2.** Removal of charges against a sinner. 1 John 1:9  **3.** The process where God continually works to make the believer more like Him; process of being made holy. Romans 12:1-2  **6.** The study of salvation  **8.** The turning away of God's wrath. 1 John 2:2  **9.** Offering a sacrifice; to cover over; to place out of sight. Leviticus 14:31  **10.** The good news of the resurrection of Jesus on behalf of sinners. Romans 1:1  **11.** The moment you receive the Holy Spirit and realize salvation. Matthew 18:3  **18.** To credit to one's account, such as righteousness on the believer. Romans 5 |